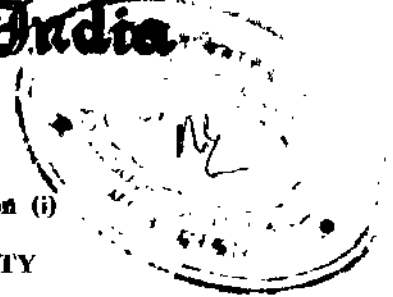




भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 127] नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 24, 1995/चैत्र 3, 1917
No. 127] NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 24, 1995/CHAITRA 3, 1917

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 मार्च, 1995

सं. 75/95 - केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा. का. नि. 290(अ) - केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 1/93-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 28 फरवरी, 1993 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :-

उक्त अधिसूचना के उपाबंध में,-

(i) क्रम संख्या (2) में, -

(क) "5401.10, 5406.11" अंकों के स्थान पर "5406.11" अंक रखे जायेंगे;

(ख) "5605.90, 5607.90, 5608.00, 5803.00, 5806.10, 5901.10, 5903.11, 5903.21, 5903.91" अंकों के स्थान पर "5607.90, 5608.00, 5803.00, 5901.10" अंक रखे जायेंगे ;

(ii) क्रम संख्या (3) में, "रजर धोल या बल्कनीकरण धोल" शब्दों के स्थान पर "रजर धोल या बल्कनीकरण धोल; सूती सूत, जिसमें संश्लिष्ट स्टेपल फाइबर नहीं है ; टायर रज्जु फेब्रिक से भिन्न रबड़ीकृत टैक्सटाइल फेब्रिक जो कि कपास और मानव निर्मित टैक्सटाइल सामग्रियों से बने हों; सूक्ष्म या स्थूल प्राचीन रोम अथवा घोड़े के रोम का सूत (जिसमें घोड़े के रोम का जिप सूत भी शामिल है) ; संश्लिष्ट फिलामेंट के अपशिष्ट धातुकृत सूत, जिसमें मानव निर्मित फिलामेंट नहीं है, चाहे जिप है या नहीं, जो टैक्सटाइल सूत है, या 5 मि. मी. से अधिक व्यक्त चौड़ाई की संश्लिष्ट या कृत्रिम टैक्सटाइल सामग्री की पट्टी, जो धागे, पट्टी या चूर्ण के रूप में धातु से संयुक्त है या धातु से आवेष्टित है; रेशम, ऊन, कपास अथवा मानव निर्मित टैक्सटाइल सामग्रियों के संकोर्ण व्युत्पन्न फेब्रिक, निम्न डेनसिटी पॉली एथलीन से विलेपित या पट्टित टैक्सटाइल फेब्रिक;" शब्द और अंक रखे जायेंगे।

[फा. सं. बी-22/95-टी. आर. यू]

तरुण कुमार गोविल, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 24th March, 1995

NO. 75/95-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 290(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excise and Salt Act, 1944 (1 of 1944) the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 1/93-Central Excises, dated 28th February, 1993, namely:—

In the Annexure to the said notification,—

(i) in Serial Number (2),—

(a) for the figures "5401.10, 5406.11", the figures "5406.11" shall be substituted;

- (b) for the figures "5605.90, 5607.90, 5608.00, 5803.00, 5806.10, 5901.10, 5903.11, 5903.21, 5903.91", the figures "5607.90, 5608.00, 5803.00, 5901.10" shall be substituted;
- (ii) in Serial Number (3), for the words and figure "Rubber solution or vulcanizing solution;", the following words and figures shall be substituted, namely:—

"Rubber solution or vulcanizing solution; cotton yarn, not containing synthetic staple fibres; rubberised textile fabrics (other than tyre cord fabrics) of cotton and man made textile materials; yarn of fine or coarse animal hair or of horse hair (including gimped horse hair yarn); waste of synthetic filaments; metallised yarn (other than of manmade filaments), whether or not gimped, being textile yarn, or strip of synthetic artificial textile materials of an apparent width not exceeding 5 mm. combined with metal in the form of thread, strip or powder or covered with metal; narrow woven fabrics of silk, wool, cotton or man-made textile materials; textile fabrics coated or laminated with preparations of low density polyethylene;"

[File No. B. 22/2/95-TRU]
TARUN KUMAR GOVIL, Under Secy.

